

293/23

पत्रावली फेंथ हुपी। कोई भी उपर नहीं  
 लें। वादी व वादी वरील को-बाए-  
 लार आवाज लगाई गई। बावजूद स्व  
 में अनुपाति रहे से पत्रावली अहम  
 लजरी अहम परवी में खरिज मी  
 जानी हें। पत्रावली जंतल शुमार होकर  
 जम्हार से कम हा। बाद शर्त दाले  
 दजतर हा।

